२३ अप्रैल २०१२: सर्व धर्म सम्मलेन में "सार्वभौम मानव धर्म" का प्रतिपादन

– विकल्पात्मक विधि से

जो 'मध्यस्थ दर्शन, सह-अस्तित्ववाद' के रोशनी में होगा

(अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन *)**

- प्रणेता एवं लेखक: ए नागराज, अमरकंटक, म.प्र., भारत

** साधना, समाधी, संयम पूर्वक अस्तित्व में सीधे अनुसंधान, अनुभव का फलन - सम्पूर्ण अस्तित्व, अस्तित्व में निहित व्यवस्था को समझा गया हैं| व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना = सुख = मानव धर्म*

स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का आमंत्रण

अधिक जानकारी: सम्मेलन वेब साईट: www.madhyasth.info | Sammelan English Site: www.mdarshan.info

स्थली: मानव मंदिर, ग्राम करौली, कानपूर, ऊ.प्र. दिनांक: २३ अप्रैल २०१२

अपने आगमन का पूर्व सूचना आवश्य दें: प्रदीप: 9793919149, 9335373447 | गोपाल: 9451522231, 9335111631 |
ईमेल: manavmandir@mail.com

* रहने, भोजन की व्यवस्था रहेगा | यह सम्मलेन नि:शुल्क हैं |

 # धर्म: *जिसका जिससे विलागीकरण संभव नहीं हो, वही उसका धर्म है| मानव सुख धर्मी है, समाधान ही मानव धर्म है|*

समझ (ज्ञान) से समाधान होता हैं| ज्ञान = अस्तित्व दर्शन ज्ञान, जीवन ज्ञान, मानवीयतापूर्ण आचरण ज्ञान | अस्तित्व सहअस्तित्व हैं |